3 (Sem–5/CBCS) HIN–RE 1/2/3

2 0 2 3

HINDI

(Regular Elective)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

Answer from *any* **one** Option

OPTION—A

Paper : HIN–RE–5016

(लोक-साहित्य)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) फोकलोर के लिए 'लोकयान' शब्द प्रयुक्त करने का सुझाव किसने दिया है?

(ख) 'लोक-साहित्य की भूमिका' ग्रंथ के रचयिता कौन हैं?

(ग) 'लोक' शब्द संस्कृत की कौन-सी धातु से निष्पन्न हुआ है?

(घ) यक्षगान की कोई एक विशेषता बताइए।

(ङ) 'लोक-साहित्य विज्ञान' ग्रंथ के लेखक का नाम बताइए।

(च) ऋतु-संबंधी किसी एक गीत का नामोल्लेख कीजिए।

(छ) कजली का वर्ण्य विषय क्या है?

(ज) दक्षिण भारत के किसी एक लोकनाट्य का नाम लिखिए।

(झ) 'हितोपदेश' के लेखक कौन हैं?

(ञ) असम के किसी एक लोकनाट्य का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय के अनुसार 'लोक' की परिभाषा क्या है?

(ख) लोक-संस्कृति की एक परिभाषा दीजिए।

(ग) 'सोहर' का वर्ण्य विषय क्या है?

(घ) व्रत-संबंधी गीतों में से किन्हीं दो के नाम लिखिए।

(ङ) लोकनाटकों की लोकप्रियता के दो कारण बताइए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) लोक-संस्कृति और साहित्य के अंतर्सम्बन्ध पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ख) 'कीर्तनिया' लोकनाट्य का परिचय दीजिए।

(ग) रामलीला के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(घ) रासलीला की लोकप्रियता के क्या-क्या कारण हैं?

(ङ) परीकथा की प्रमुख विशेषताओं का खुलासा कीजिए।

(च) कथा-रूढ़ि एवं अंधविश्वास पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) लोक-साहित्य के अध्ययन की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भारत में लोक-साहित्य के अध्ययन के इतिहास पर लेखा-जोखा प्रस्तुत कीजिए।

(ख) साहित्य और लोक का पारस्परिक संबंध स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संस्कार गीतों के विभिन्न प्रकारों का संक्षेप में परिचय दीजिए।

(ग) हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

अथवा

हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्य के प्रभाव पर प्रकाश डालिए।

(घ) लोक-साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण कीजिए।

अथवा

लोककथा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

OPTION—B

Paper : HIN–RE–5026

(हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) मैथिलीशरण गुप्त की किसी एक काव्य-कृति का नाम लिखिए।

(ख) 'सिपाही' शीर्षक कविता के रचयिता कौन हैं?

(ग) दिनकर किस कवि का उपनाम है?

(घ) सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म कब हुआ था?

(ङ) कवि के अनुसार जनतंत्र के देवता कौन हैं?

(च) दिनकर को किस काव्य-कृति पर ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ था?

(छ) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

"भू-लोक का गौरव प्रकृति का ______
लीला-स्थल कहाँ?"

(ज) "चूड़ियाँ बहुत हुई कलाइयों पर" —यह पंक्ति किस कविता से ली गयी है?

(झ) 'आ गये ऋतुराज' शीर्षक कविता में कवि ने किस ऋतु को 'ऋतुराज' कहा है?

(ञ) सुभद्रा कुमारी चौहान के किसी एक काव्य-संकलन का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं की कोई दो कलापक्षीय विशेषताएँ लिखिए।

(ख) "भगवान की भव-भूतियों का यह प्रथम भण्डार है" —आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) "अवकाश वाली सभ्यता अब आने ही वाली है।" इस काव्य-पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'जनतंत्र का जन्म' कविता में निहित किन्हीं दो प्रमुख बातों का उल्लेख कीजिए।

(ङ) कवि दिनकर के किन्हीं दो काव्य-संग्रहों के नाम बताइए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'भारत की श्रेष्ठता' शीर्षक कविता का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(ख) "जनता तो चट्टानों का बोझ सहा करती,
मैं चाँदनियों का बोझ किसी विध सहता हूँ।"
—इन काव्य-पंक्तियों में निहित भाव पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'अवकाश वाली सभ्यता' शीर्षक कविता का मूल संदेश क्या है?

(घ) 'स्वदेश के प्रति' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'आ गए ऋतुराज' कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(च) सुभद्रा कुमारी चौहान की कविताओं में निहित राष्ट्रीय चेतना पर टिप्पणी लिखिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

"रौंदी हुई है सब हमारी भूमि इस संसार की,
फैला दिया व्यापार, कर दी धूम धर्म-प्रचार की।
कप्तान 'कोलम्बस' कहाँ था उस समय, कोई कहे?
जब के सुचिन्ह अमेरिका में हैं हमारे मिल रहे।।"

अथवा

"मेरे प्रणय ओर प्राणों के
ओ सिन्दूर रक्तिमा लाली!
तुम कैसे प्रलयकार शंकर! जो
मैं रहूँ न दुर्गा, काली?"

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) पठित कविताओं के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं के भावपक्ष की आलोचना कीजिए।

अथवा

"माखनलाल चतुर्वेदी ने ओजस्वी भाषा में राष्ट्रीयता और स्वदेशानुराग से सम्बद्ध कविताएँ लिखी हैं।" पठित कविताओं के आधार पर इस उक्ति की सार्थकता प्रमाणित कीजिए।

(ख) दिनकर की कविताओं की विषय-वस्तु पर सोदाहरण चर्चा कीजिए।

अथवा

'मनुष्यता' कविता का सारांश लिखिए।

(ग) 'झाँसी की रानी' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'भारत का यह रेशमी नगर' शीर्षक कविता में निहित राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।

OPTION—C

Paper : HIN–RE–5036

(पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) भुवन चन्द्र गगै द्वारा स्थापित 'असम पॉलिटेक्निक इंस्टिट्यूशन' में हिन्दी की विधिवत् पढ़ाई किस ईस्वी में प्रारंभ हुई थी?

(ख) इन दिनों असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति—गुवाहाटी के द्वारा आयोजित की जाने वाली सर्वोच्च परीक्षा का नाम क्या है?

(ग) असम का कौन-सा हिन्दी-प्रेमी सन् 1955 के जून महीने में आइज़ोल, मिज़ोरम में हिन्दी-प्रचारक नियुक्त हुआ था?

(घ) किस ईस्वी को असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की स्थापना हुई थी?

(ङ) केन्द्रीय हिन्दी संस्थान-आगरा का नागालैण्ड वाला शाखा-केन्द्र किस शहर में स्थित है?

(च) गुवाहाटी से प्रकाशित होने वाले हिन्दी समाचार-पत्र 'दैनिक पूर्वोदय' के सम्पादक कौन हैं?

(छ) ललितबाबू के घर पर किसे अपमानित होना पड़ा था?

(ज) राजेन्द्र मेधि कौन है?

(झ) "आखिर वह था कौन? आपने उसे पहचाना नहीं?" ये प्रश्न किसके थे?

(ञ) 'भिण्डी के फूल' नामक पाठ के रचयिता कौन हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) पूर्वोत्तर भारत के किस विश्वविद्यालय में और कब सबसे पहले हिन्दी विभाग का शुभारंभ किया गया था?

(ख) मेघालय में हिन्दी के प्रचार-प्रसार की गतिविधियों से संबंधित किन्हीं दो प्रमुख बातों का उल्लेख कीजिए।

(ग) "राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूँगा है" का आशय बताइए।

(घ) 'राह और रोड़े' उपन्यास के रचयिता छगनलाल जैन का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

(ङ) "भाग्य से बच गये। लक्षण तो स्वाहा होने के ही नजर आ रहे थे।" किसने किस परिस्थिति में ऐसा कहा था?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'सिक्किम में हिन्दी की स्थिति' विषय पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ख) असम में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के संदर्भ में लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै के योगदान को रेखांकित कीजिए।

(ग) 'मणिपुर हिन्दी प्रचार सभा—इम्फाल' की प्रमुख गतिविधियों पर प्रकाश डालिए।

(घ) द्विभाषी 'राष्ट्रसेवक' पत्रिका के महत्त्व का आकलन कीजिए।

(ङ) 'भिण्डी के फूल' शीर्षक पाठ के प्रतिपाद्य को प्रस्तुत कीजिए।

(च) 'राह और रोड़े' उपन्यास में सत्सुओ अंगामी की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

"सेवाव्रती साधक का जीवन कभी सरल नहीं होता। और राह में यदि रोड़े ही न आवें, तो जीवन-यात्रा का आनंद ही कहाँ? नदी के पथ में जब पत्थर और रोड़े आ जाते हैं, तब वह कलकल निनाद करती हुई—फुफकारती हुई और भी तीव्र गति से आगे बढ़ती है।"

अथवा

"जब हम सच्चे हैं, तो दुनिया में कोई हमारा बाल भी बाँका नहीं कर सकता। झूठ के कभी पाँव नहीं होते। जो हमें जानता है, वह ऐसी ऊटपटांग बातों पर कभी विश्वास नहीं करेगा।"

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) असम में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के संदर्भ में असम राज्य राष्ट्रभाषा प्रचार समिति-जोरहाट की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

अथवा

त्रिपुरा में हिन्दी के प्रचार-प्रसार की सामान्य जानकारी प्रस्तुत कीजिए।

(ख) असम राष्ट्रभाषा सेवक संघ की गतिविधियों पर सविस्तार चर्चा कीजिए।

अथवा

'समन्वय पूर्वोत्तर' पत्रिका के स्वरूप एवं महत्त्व पर सम्यक् प्रकाश डालिए।

(ग) रेणु की चारित्रिक विशेषताओं का खुलासा कीजिए।

अथवा

'राह और रोड़े' उपन्यास की लोकप्रियता के कारणों का उल्लेख कीजिए।

★★★